नवभारत
| संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी |

यूपीआई : आरबीआई का महत्वपूर्ण फैसला

भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा डिजिटल भुगतान, विशेषकर यूपीआई लेनदेन में दो-स्तरीय प्रमाणीकरण (टू फैक्टर ऑथेंटिकेशन) को अनिवार्य करना एक महत्वपूर्ण और समयोचित कदम है. बीते कुछ वर्षों में भारत ने डिजिटल भुगतान के क्षेत्र में अभूतपूर्व वृद्धि दर्ज की है. पिछले माह मार्च में ही यूपीआई के माध्यम से 29.53 लाख करोड़ रुपये के लेनदेन और 22.64 अरब ट्रांजेक्शन इस क्रांति की गवाही देते हैं. लेकिन इस तेजी के साथ साइबर धोखाधड़ी का ग्राफ भी उतनी ही तेजी से बढ़ा है, जिसने इस बदलाव को अनिवार्य बना दिया.

अब तक यूपीआई भुगतान प्रक्रिया अपेक्षकृत सरल थी, एप खोलिए, पिन डालिए और भुगतान पूरा. यही सरलता इसकी लोकप्रियता का आधार बनी. लेकिन यही सुविधा साइबर अपराधियों के लिए अवसर भी बन गई. फर्जी कॉल, लिंक, स्क्रीन शेयरिंग के जरिए ठग आसानी से यूजर का यूपीआई पिन हासिल कर लेते थे. कई मामलों में उपभोक्ता को यह तक पता नहीं चलता था कि उनके खाते से पैसे कब और कैसे निकल गए.ऐसे में आरबीआई का यह निर्णय कि अब केवल पिन पर्याप्त नहीं होगा, बल्कि ओटीपी, बायोमेट्रिक या फेस ऑथेंटिकेशन जैसे अतिरिक्त सत्यापन की जरूरत होगी, डिजिटल सुरक्षा की दिशा में एक मजबूत कदम है. यह व्यवस्था सुनिश्चित करती है कि यदि किसी कारणवश यूपीआई पिन लीक भी हो जाए, तो भी बिना दूसरे स्तर के प्रमाणीकरण के लेनदेन पूरा नहीं हो सकेगा.

हालांकि, इस बदलाव के साथ एक स्वाभाविक चिंता भी जुड़ी है, सुविधा में कमी. डिजिटल भुगतान की सफलता का सबसे बड़ा कारण उसकी तेजी और सरलता रही है. अब अतिरिक्त सत्यापन के कारण कुछ सेकंड की देरी होगी, जो खासकर छोटे और त्वरित लेनदेन में उपयोगकर्ताओं को असुविधाजनक लग सकती है. ग्रामीण और कम तकनीकी समझ वाले उपभोक्ताओं के लिए यह प्रक्रिया और अधिक जटिल भी हो सकती है.

लेकिन यह भी समझना होगा कि सुरक्षा और सुविधा के बीच संतुलन बनाना समय की मांग है. जिस तरह बैंकिंग क्षेत्र में एटीएम, नेट बैंकिंग और कार्ड भुगतान में दो-स्तरीय प्रमाणीकरण पहले से लागू है, उसी तरह यूपीआई जैसे व्यापक प्लेटफॉर्म पर भी यह आवश्यक हो गया था. डिजिटल अर्थव्यवस्था में विश्वास बनाए रखना सबसे महत्वपूर्ण तत्व है, और यह विश्वास तभी कायम रह सकता है जब उपभोक्ता को अपने पैसे की सुरक्षा का भरोसा हो.आरबीआई द्वारा बैंकिंग एप्स में स्क्रीनशॉट और स्क्रीन रिकॉर्डिंग पर रोक लगाने का निर्णय भी इसी दिशा में एक अहम पहल है. इससे स्क्रीन शेयरिंग या डेटा चोरी के जरिए होने वाली धोखाधड़ी पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सकेगा. कुल मिलाकर यह बदलाव केवल तकनीकी सुधार नहीं, बल्कि डिजिटल व्यवहार में एक जरूरी अनुशासन लाने का प्रयास है. उपयोगकर्ताओं को भी अब अधिक सतर्क और जागरूक बनने की आवश्यकता है. थोड़ी सी अतिरिक्त सावधानी और कुछ सेकंड का अतिरिक्त समय, बड़े वित्तीय नुकसान से बचा सकता है.

दरअसल, डिजिटल भारत के इस दौर में, यह स्पष्ट है कि अब प्राथमिकता केवल गति नहीं, बल्कि सुरक्षित गति होनी चाहिए. जाहिर है भारतीय रिजर्व बैंक का यह फैसला साइबर फ्रॉड रोकने की दृष्टि से महत्वपूर्ण पहल है, बाजार में इसकी क्या प्रतिक्रिया होती है यह देखना होगा. क्योंकि यह प्रक्रिया पूरी करने में व्यावहारिक कठिनाइयां जरूर आएंगी. फिर भी उपभोक्ताओं के व्यापक हित साधने वाला यह फैसला स्वागत योग्य है.

जनजातीय खेल प्रतिभा-हमारा राष्ट्रीय गौरव

द्रौपदी मुर्मु
भारत की राष्ट्रपति

मैंने देखा है कि ग्रामीण क्षेत्रों और वनांचलों में, बच्चे घर के बाहर प्रकृति के सानिध्य मेंअधिक समय बिताते हैं. वे खेल-कूद के सहज तरीके खोज लेते हैं. वे मिट्टी में लकीरें खींचकर और आकृतियां बनाकर, खेलने की जगह तैयार कर लेते हैं. वे फलों के सूखे बीजों का खेल की गोटियों की तरह इस्तेमाल कर लेते हैं. सूखे पत्तों, पेड़ों की जड़ों और फटे-पुराने कपड़ों से गेंद बना लेते हैं. बांस का उपयोग करके हॉकी और फुटबाल के गोल-पोस्ट बना लेते हैं.

इस प्रकार, अनेक प्राकृतिक वस्तुओं का उपयोग करके, वे अपने खेल-संसार की रचना कर लेते हैं. बहुत से बच्चे बिना जूते और जर्सी के पूरे जोश से खेलते रहते हैं. पोखरों-तालाबों में बच्चे खूब तैरते रहते हैं. तैराकी की इस सहज प्रतिभा को अब उपलब्ध प्रशिक्षण और संसाधनों की सहायता से विकसित करके, केवल 15 वर्ष की, जाजपुर की बेटी अंजलि मुंडा ने प्रथम' खेलो इंडिया जनजातीय खेल 2026 'में पहले ही दिन तीन स्वर्ण-पदक जीत करपूरे देश के युवाओं को प्रेरित किया. तीरंदाजीके प्रति जनजातीय लोगों में सहज तरंग सी होती है.

> 'खेलो इंडिया जनजातीय खेल 2026' द्वारा शुरू की गई मुहिम को मजबूत बनाते हुए जनजातीय खेल-प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने से, खिलाड़ियों के ऐसे समूह तैयार होंगे जो विश्व-पटल पर भारत को खेल-महाशक्ति के रूप में स्थापित करेंगे .पिछले कुछ महीनों में आयोजित बस्तर एवं सरगुजा ओलिम्पिक में कुल 7 लाख से अधिक खिलाड़ियों ने भाग लिया. उन खिलाड़ियों में कुछ ऐसे युवा भी शामिल थे जो नक्सलवाद के रास्ते को छोड़कर खेल-कूद के सन्मार्ग पर चल पड़े हैं. खेल-कूद से युवा-ऊर्जा को सकारात्मक अभिव्यक्ति मिलती है. सरकार द्वारा युवाओं में खेल-प्रतिभा को पहचानने और विकसित करने के अच्छे परिणाम राष्ट्रीय और अंतर-राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में दिखाई देने लगे हैं. युवाओं, विशेषकर जनजातीय युवाओं की खेल प्रतिभा हमारे राष्ट्र की अमूल्य सामाजिकपूंजी है. मुझे विश्वास हैकिइस अनमोल संसाधन का सदुपयोग करते हुए हमारा देश खेल-कूद के क्षेत्र में उत्कृष्टता के अनेक गौरवशाली प्रतिमान स्थापित करेगा. इसी विश्वास के साथ मेरा संदेश है - खेलो इंडिया! खूब खेलो इंडिया!

संताल-समुदाय ने वर्ष 1855 में शोषण के विरुद्ध एक घनघोर संग्राम किया था जो 'संताल हूल' के नाम से अमर है. आधुनिक हथियारों से लैस ब्रिटिश सेनाओं ने उस क्रान्ति को दबा तो दिया लेकिन अपने विवरणों में अंग्रेजों ने संताल वीरों के युद्ध कौशल, खासकर तीरंदाजी का विशेष उल्लेख किया है.संताल-हूल का नेतृत्व करने वाले बहादुर भाइयों सिद्धो-कान्हू तथा चांद-भैरव एवं वीरांगना बहनों,फूलो-झानो की प्रतिमाओं का झारखंड में उनके गांव उरी-मारी में जाकर अनावरण करने का सौभाग्य मुझे तब मिला था जब मैं राज्यपाल थी ।तीरंदाजी में एकलव्य की महानता से देश का बच्चा-बच्चा परिचित है. वे श्रेष्ठतम धनुर्धर के रूप में सम्मानित हैं.

एकलव्य, सभी देशवासियों के लिए, विशेषकर जनजातीय समाज के लिए एक प्रेरक विभूति हैं. एकलव्य आवासीय आदर्श विद्यालयों में स्थापित 'खेल उत्कृष्टता केंद्र' बच्चों को खेल-कूद की आधुनिक सुविधाओं और पद्धतियों से सक्षम बना रहे हैं. इसी प्रकार स्कूल-व्यवस्था के साथ-साथ अन्यत्र विद्यमानखेल-प्रतिभाओं की पहचान करने और उन्हें प्रशिक्षित करने के कार्यक्रम भी चलाए जा रहे हैं. मेरे व्यक्तिगत प्रयासों से, मेरे गांव में वंचित वर्गों के बच्चों के लिए एक आवासीय स्कूल की स्थापना की गई है. इस विनम्र प्रयास के तहत स्कूल के परिसर में ही तीरंदाजी के प्रशिक्षण की व्यवस्था भी कराई गई है.सरकार के प्रयासों के साथ-साथ छोटे-छोटे व्यक्तिगत और सामूहिक प्रयास भी जनजातीय बच्चों में निहित खेल-प्रतिभाओं को निखारने में सहायक होंगे.मेरे गांव के अन्य जनजातीय बच्चों की तरह, मुझमें भी तैराकी सहित, व्यायाम और खेलों के प्रति बहुत रुझान था. मैं स्कूल की खेल प्रतियोगिताओं में प्राय: प्रथम स्थान पर रहती थी.

एक प्रतियोगिता में जानबूझकर मैंने अपने को इसलिए पीछे रखा ताकि मेरी एक सहेली को प्रथम पुरस्कार का आनंद मिल सके. खेल-कूद से टीम भावना विकसित होती है तथा सामाजिक संबंध मजबूत होते हैं. मैदान पर कड़ी प्रतिस्पर्धा और मैदान के बाहर गहरी मित्रता, खिलाड़ियों में प्राय: देखने को मिलती है. मेरे भाई फुटबाल के बहुत अच्छे खिलाड़ी रहे हैं जो गंभीर चोट लगने के कारण आगे नहीं खेल सके।मेरे परिवार के कुछ अन्य सदस्यों ने भी विभिन्न खेलों में उत्कृष्टता प्रदर्शित की है. इस निजी विवरण से मैं यह बताना चाहती हूं कि जनजातीय परिवारों में खेल-कूद की जीवन्त परंपरा विद्यमान है. उनमें खेलों के लिए असीम प्रतिभा है, ऊर्जा है, रुचि है और आगे बढ़ने का हौसला भी है. सुविधाओं और प्रशिक्षण के द्वारा ऐसी प्रतिभाओं को निखारने से, खेल-कूद उनके लिए केवल मनोरंजन और सामाजिक मेल-जोल का जरिया न होकर जीवन में आगे बढ़ने का, आर्थिक आत्म-निर्भरता और सामाजिक सम्मान प्राप्त करने का माध्यम बन सकता है.

महाकौशल की डायरी

थाने में चला रसूख, कोर्ट की चौखट में हुआ फेल...

अविनाश दीक्षित

न वर्चस्व चला न रसूख चला और न ही सिफारिशों का दौर... सब कुछ धरा का धरा रह गया जब हाईकोर्ट ने एसआईटी की जांच रिपोर्ट देखने के बाद सख्ती दिखाकर फरमान जारी किया...अंत में जबलपुर के लार्डगंज पुलिस थाना को थक हारकर पूर्व महापौर व भाजपा नेता प्रभात साहू, शुभम अवस्थी, महेंद्र रैकवार, विजय सोनी और अभिनंदन जायसवाल को नामजद आरोपी बनाना पड़ा. जैसे ही राजनैतिक गलियारों में खबर फैली कि प्रभात साहू को आरोपी बना लिया गया है ठीक वैसे ही विपक्ष के गलियारों में चर्चाएं तेज हो गईं कि सत्ता का प्रभाव सिर्फ पुलिस थाने तक ही चला कोर्ट के दरवाजे में बेदम हो गया. मामला विगत सितंबर 2025 का बल्देवबाग चौराहे का है जहां हेल्मेट चैकिंग के दौरान आरक्षक कृष्ण कुमार पाल का पूर्व महापौर से विवाद हुआ था. घटना के बाद लार्डगंज पुलिस ने पूर्व महापौर की शिकायत पर तो संबंधित पुलिसकर्मी के खिलाफ नामजद एफआईआर दर्ज कर ली थी, लेकिन पुलिसकर्मी की शिकायत में नाम होने के बावजूद आरोपियों के खिलाफ मामला अज्ञात में दर्ज किया गया था. इस दोहरे रवैये को लेकर सवाल उठे और मामला हाईकोर्ट तक जा पहुंचा.

अधिवक्ता मोहित वर्मा ने इस मामले को

जनहित याचिका के जरिए हाईकोर्ट में उठाया. याचिका में कहा गया कि कानून सबके लिए समान होना चाहिए, चाहे वह आम नागरिक हो या कोई रसूखदार नेता. कोर्ट ने इस तर्क को गंभीरता से लेते हुए पहले पुलिस की जांच पर सवाल उठाए और फिर मामले को एसआईटी को सौंप दिया था. चर्चाएं जोरों पर थीं कि सत्ताधारी भाजपा के वरिष्ठ नेता प्रभात साहू के खिलाफ पुलिस कार्रवाई करने से डर रही है लेकिन हाईकोर्ट की सख्ती के बाद एसटीएफ ने पूर्व महापौर प्रभात साहू समेत पांच लोगों को नामजद आरोपी बना लिया. मतलब साफ है कि पूर्व महापौर की मुश्किलें कम नहीं होने वालीं हैं. उधर कांग्रेसियों का मन मयूर हो रहा है, कांग्रेसियों के हाव भाव से लग रहा है कि जैसे उन्होंने किसी चुनाव में जीत दर्ज कर ली हो. इसके साथ ही वह आरक्षक भी अपने साथियों के साथ खुश नजर आया जो कि अपने ही विभाग के पुलिस थाना में भाजपा नेता की नामजद रिपोर्ट दर्ज कराने जूझ रहा था.

याद आ गया 'गंगाजल' का सीन...

कटनी जिले के बहोरीबंद इलाके में खाकी ने ईमानदारी और अनोखी कार्रवाई की मिसाल पेश की तो सभी को हिंदी सिनेमा जगत की फिल्म गंगाजल का वह सीन याद आ गया जब अभिनेता अजय देवगन ट्रक में वेश बदलकर बैठे और फिर चालक से पुलिस कर्मियों द्वारा की जा रही अवैध वसूली का भंडाफोड़ करते हुए दोषी को जमकर फटकार लगाई. कुछ इस तरह ही कटनी में वेश बदलकर पहले तो दो महिला अधिकारी ग्रामीण महिलाओं के रूप में ट्रैक्टर में बैंठीं फिर उन्होंने एक आरक्षक को 500 रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा. विदित हो कटनी एसपी अभिनय विश्वकर्मा को लगातार शिकायतें मिल रहीं थीं कि पुलिस कर्मी किसानों और ट्रैक्टर चालकों से अवैध वसूली कर रहे हैं, जिसके बाद उन्होंने पुलिस कर्मियों को ट्रैप करने योजना बनाई.

समिति के प्रबंधक ने जमाई तगड़ी सेटिंग...

जबलपुर जिले के मझौली में उपार्जन का इकलौता ऐसा मामला सामने आया जिसमें समिति के प्रबंधक को छोड़कर सिर्फ प्रभारी और एक ऑपरेटर पर एफआईआर दर्ज की गई. जैसे ही ये बात बाहर निकली ठीक वैसे ही चर्चाओं का बाजार गर्म हो गया. मझौली में धान घोटाले में हुई प्रशासन की कार्रवाई में जहां एक ओर सवाल खड़े हुए तो वहीं दूसरी तरफ कलेक्ट्रेट के गलियारों से लेकर मझौली उपार्जन समिति के गलियारों में ये चर्चाएं जोरों पर थीं कि समिति के प्रबंधक ने ऊंचे लेवल का ऐसा सेटअप जमाया कि सिर्फ उन पर कार्रवाई नहीं हुई जबकि उनके नीचे के कर्मचारियों पर एफआईआर तक दर्ज हो गई. जमीनी हकीकत की बात करें तो प्रबंधक के बायोमेट्रिक या ओटीपी के बिना कोई भी धान उपार्जन की एंट्री संभव नहीं है. बावजूद इसके प्रबंधक को कार्रवाई की जद से दूर रखा गया. अब ये बात किसी को हजम नहीं हो रही है और मांग उठने लगी है कि अगर मझौली की समिति के कर्मचारी दोषी हैं तो फिर प्रबंधक पर भी प्रशासन कार्रवाई सुनिश्चित करे.

क्रूड ऑयल की वजह से भड़की महंगाई

पश्चिम एशिया में युद्ध प्रारंभ होने के साथ ही क्रूड ऑयल या कच्चे तेल की अंतरराष्ट्रीय कीमतों में वृद्धि हो गई. सभी देशों में पेट्रोल, डीजल, गैस के दाम बढ़े हैं तथा आपूर्ति कम हुई है. भारत पर भी इसका असर पड़ना स्वाभाविक है. जब 4 वर्षों से रूस-यूक्रेन युद्ध जारी है तो इजराइल व अमेरिका की ईरान से लड़ाई भी जल्दी खत्म नहीं होने वाली. 2024 में भारत में महंगाई निर्देशांक 100 था जो जनवरी 2026 में बढ़कर 102.74 हो गया. इस तरह 2 वर्षों में पौने 3 प्रतिशत महंगाई बढ़ी लेकिन फरवरी में यह आंकड़ा 103.21 तक जा पहुंचा. बढ़ती महंगाई का करारा झटका आम जनता को लगा है. दैनिक उपभोग की वस्तुओं के दाम में 25 प्रतिशत तक वृद्धि होने के आसार नजर आने लगे हैं. उद्योगों में लगने वाले कच्चे माल की दरें बढ़ गई हैं. जूते-चप्पल, प्लास्टिक, केमिकल, सोड़ा, साबुन, वॉशिंग पाउडर व लिक्विड, सौंदर्य प्रसाधन सभी महंगे हो जाएंगे. कंपनियां बिस्किट पैकेट का या तो वजन घटा देंगी या दाम बढ़ा देंगी. कन्फेक्शनरी (चॉकलेट, पेपरमिंट) पर भी असर आएगा. यह विश्वव्यापी संकट है. इससे विकास की रफ्तार भी धीमी हो जाएगी. यह बड़ी ताकतों का युद्धजनित या मानव निर्मित संकट है. दुनिया के 195 देश महंगे ईंधन से परेशान हैं. इसका असर अमेरिका में भी देखा जा रहा है. अमेरिका में एक माह पहले गैसोलिन (पेट्रोल) 3 डॉलर प्रति गैलन (साढ़े 4 लीटर) था जो अब बढ़कर 4 डॉलर हो गया है. उधर अमेरिका ने यूरोप के मित्र देशों से कहा है कि होर्मुज जाओ अपना तेल छीन लो क्योंकि अमेरिका के पास पहले ही पर्याप्त तेल का स्टॉक है. भारत में सांसद, विधायक, मंत्री तथा सरकारी अफसरों पर महंगाई का असर नहीं होगा जिन्हें सरकारी आवास, वाहन तथा अन्य सुविधाएं निशुल्क या अत्यल्प दर में मिलती हैं. जिन लोगों को सरकार की अनुदानित योजनाओं में मुफ्त अनाज, जीएसटी में कटौती, आयकर में छूट तथा अन्य रेवड़ीवाली सुविधाएं मिलती हैं, उन्हें महंगाई कम सताएगी लेकिन असंगठित क्षेत्र के लोगों की मुसीबत बढ़ना तय है.

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

निशानेबाज

राज्यसभा में करेंगे आराम नीतीश को न कहो पलटूराम

पड़ोसी ने हमसे कहा, 'निशानेबाज, दिल्ली में पहले से नीति आयोग है, अब वहां राज्यसभा में नीतीशकुमार भी पहुंच जाएंगे. इससे केंद्र सरकार की नीति निपुणता बढ़ेगी. केंद्र के विभिन्न मंत्री नीति निर्धारण करते समय नीतीशकुमार की राय ले सकेंगे.'

हमने कहा, 'अब तक बिहार का नया मुख्यमंत्री तय न होने की वजह से नीतीशकुमार कार्यवाहक मुख्यमंत्री बने हुए हैं. यदि बीजेपी अपना वादा निभाते हुए नीतीशकुमार के बेटे को उपमुख्यमंत्री बना दे तो नीतीश पूरी तसल्ली से हाउस ऑफ एल्डर्स कहलाने वाली राज्यसभा में चले जाएंगे. प्रधानमंत्री मोदी की मर्जी हुई तो कुछ समय बाद नीतीशकुमार को राज्यपाल बनवा देंगे. यह भी हो सकता है कि भविष्य में उन्हें राष्ट्रपति पद पर बिठाने की सोची जाए. आप तो जानते हैं कि राजनीति में नीतीशकुमार का अनुभव बहुत व्यापक है. बिहार में उन्हें सुशासन बाबू कहा जाता है.'

पड़ोसी ने कहा, 'राजनीति की हवा को पहचानकर नीतीशकुमार बार-बार पाला बदलते रहे. इस वजह से

तेजस्वी यादव उन्हें पलटू चाचा कहते हैं.'

हमने कहा, 'कोई कुछ भी कहे, सत्ता कायम रखने के लिए ऐसे ही कुलाटी मारनी पड़ती है. यह प्रैक्टिकल पॉलिटिक्स है जिसमें प्लेटफॉर्म बदलना पड़ता है. जरा सोचिए कि लोकसभा चुनाव में बीजेपी 240 सीटों पर अटक गई थी. 272 का बहुमत पाने के लिए नीतीशकुमार और चंद्राबाबू नायडू की पार्टियों ने पीएम मोदी की मदद की. राजनीति में ऐसा गिव एंड टेक चलता रहता है. कभी विपक्ष के साथ तो कभी एनडीए से यारी.' पड़ोसी ने कहा, 'निशानेबाज, विगत समय नीतीशकुमार की मानसिक स्थिति पर उनकी विचित्र हरकतों को लेकर शक किया जाने लगा था जब वह राष्ट्रगान के समय सीधे खड़े होने की बजाय हिलते-डुलते और लोगों से बात करने का प्रयास करते दिखे थे. एक बार वह अचानक अधीनस्थ सरकारी कर्मचारियों को हाथ जोड़कर झुककर अभिवादन करने लगे थे.' हमने कहा, 'आप ऐसी नकारात्मक खबरों पर ज्यादा भरोसा मत कीजिए. बिहार की पंचायतों में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण देने वाले नीतीशकुमार ही थे. बिहार की हर महिला के खाते में 10,000 रुपये डालकर उन्होंने विधानसभा चुनाव जीता था. 75 वर्ष की आयु में अब वह बिहार को बीजेपी के हवाले कर दिल्ली से दिल लगा रहे हैं. यह सब किसी डील के तहत ही हुआ होगा.'

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 12217

- डॉ. सागर खादीवाला

1		2	3	■	4	5	6
	■	7		8	■	9	
10	11		■	12	13		
14		■	15			■	■
■	■	16		■	■	17	
■	18			19	20		■
21		■		22			23
24			■		■	25	

बाएं से दाएं

1. चंद्रमा, हिमकर, कपूर (सं.) 4. मृत्यु देहांत 7. मयूर, नाचने वाला (सं.) 9. महीना 10. निर्दोष, बेगुनाह 12. घबराहटपूर्ण चिल्लाहट 14. बुरी आदत (उर्दू) 15. समतल, चौपहल, जो ऊंचा नीचा न हो 16. समुद्र में उत्पन्न एक जंतु का खोल, सौ पद्म की संख्या 17. पत्ता गिरना 18. (साहित्य में वर्णित) सरलकथन 21. तुषार 22. घटना, दंगा-फसाद (उर्दू) 24. मुठभेड़ 25. ईश्वर (उर्दू)

ऊपर से नीचे

1. घी देकर पकाई हुई खमीरी रोटी जिसे पकाते समय दूध का छींटा देते है (उर्दू) 2. वचन, वाक्य, बातचीत (उर्दू) 3. स्वाद, वनस्पतियों-फलों आदि का निचोड़ा हुआ तरल अंश (सं.) 5. वजनदार वस्तु के गिरने से उत्पन्न शब्द 6. कृत्रिम जल मार्ग 8. डोली होने और पानी भरने का काम करने वाला 11. धागा 13. हंसी 15. लकड़ी आदि का चौकोर ढांचा 16. बिजली, विद्युत, कटि (सं.) 17. आबदार, इज्जतदार 18. प्रमाण, बंदगी (उर्दू) 19. झंझट, बखेड़ा 20. मित्र, दोस्त 21. वह चौपहला टुकड़ा जिससे चौसर खेली जाती है 23. विशिष्ट परिस्थिति में, उसके बाद

Solution 12216

म	हा	भा	ग	व	त	■	इ
म	ला	ई	■	य	म	दू	त
ता	■	दू	र्वा	■	च	■	रा
■	रा	ज	■	क	र	ख	ना
नी	म	■	चा	प	■	गो	■
ल	क	ड़ी	■	ट	ह	ल	ना
म	हा	■	हि	■	द	शा	■
■	नी	ल	म	णि	■	स्त्री	त्व

ज्योतिषाचार्य पंडित प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में व्यवसाय में सुधार होगा. पुरानी समस्याओं से छुटकारा मिलेगा. वर्ष के मध्य में मित्रों व भाईयों के सहयोग से कार्यक्षेत्र में वृद्धि होगी. दाम्पत्य जीवन सुखमय बना रहेगा. लाभ होगा, पर नहीं के बराबर. वर्ष के अन्त में विवादित राजनीति का सामना करना पडेगा. मित्र से तनाव रहेगा. व्यापार में परिश्रम एवं व्यस्तता रहेगी.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को व्यवसाय में सुधार होगा. वृष और तुला राशि के व्यक्तियों को मित्र व भाईयों के सहयोग से कार्य क्षेत्र में वृद्धि होगी. कर्क राशि के व्यक्तियों को व्यापार में परिश्रम की अधिकता रहेगी. मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों को पुरानी समस्याओं से छुटकारा मिलेगा. मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों का स्वास्थ्य परिवर्तन होगा. विवादित राजनीति का सामना करना होगा. धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को दाम्पत्य जीवन में आनन्दमय वातावरण रहेगा.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक नम्र, धार्मिक, कृतज्ञ, और सर्वप्रिय होगा, मित्रों की संख्या अधिक होगी, बालक शांत रहेगा, विद्या के क्षेत्र में उन्नति करेगा, स्वतंत्र विचारधारा का होगा, यात्रायें अधिक करेगा.

उदयकालीन ग्रह चाल

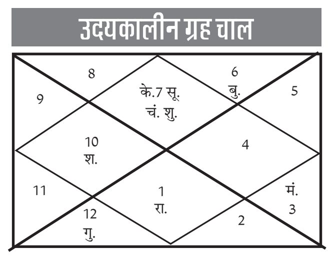

पंचांग

रा.मि. 13 संवत् 2083 वैशाख कृष्ण प्रतिपदा भृगुवासरे दिन 7/15, चित्रा नक्षत्रे शाम 6/7, व्याघात योगे दिन 1/7, कौलव करणे सू.उ. 5/50, सू.अ. 6/10, चन्द्रचार तुला, शु.रा. 7, 9, 10, 1, 2, 5 अ.रा. 8, 11, 12, 3, 4, 6 शुभांक- 9, 2, 6.

व्यापार भविष्य

वैशाख कृष्ण प्रतिपदा को चित्रा नक्षत्र के प्रभाव से गुड़, खांड, में उछाल आयेगा, लाल रंग की वस्तुओं में तेजी होगी, रूई, कपास, चांदी, सरसों, अलसी, अरंडी, चना के भाव में वृद्धि होगी, बाजार का रूख देखकर कार्य करें, भाग्यांक 6054 है.

मेष- मेहमानों का आगमन होगा, धर्म कर्म में रूचि बढ़ेगी, राजकीय उलझन दूर होगी, रूका हुआ पैसा मिलेगा, आकस्मिक सहयोग प्राप्त होगा.

वृषभ- आयात निर्यात के कार्यो से लाभ की संभावना है, तनाव दूर होगा, नवीन दायित्वों की पूर्ति होगी. मान सम्मान मिलेगा. व्ययभार अधिक रहेगा.

मिथुन- दौड़धूप से अच्छी सफलता का योग है, सामाजिक कार्यो में खर्च होगा, परिश्रम की अधिकता रहेगी, परिचितों का सहयोग रहेगा.

कर्क- तय कार्यक्रम में बदलाव से खिन्नता होगी, अधिकारियों के संपर्क लाभदायक, सामाजिक कार्य में मान सम्मान मिलेगा, श्रम साध्य कार्यो में सफलता का योग है.

सिंह- अधूरे कार्य सरलता से पूरे होंगे, नये अध्ययन की रूपरेखा बनेगी, महत्वपूर्ण कार्य बनेगा, यश मिलेगा. माता पिता के सहयोग से लाभ होगा.

कन्या- व्यापारिक साझेदारी लाभप्रद रहेगी, नये संपर्क उन्नति में सहायक होंगे, मातृपक्ष से कोई विशिष्ट समाचार मिलेगा, यात्रा का समय पर लाभ मिलेगा.

तुला- अपनों की मदद करके प्रसन्नता होगी, सभी की भावनाओं का सम्मान करें, जीवनसाथी के स्वास्थ्य में सुधार होगा, कोई सुखद समाचार मिलेगा.

वृश्चिक- जल्दबाजी में लिये गये फैसले बदलना पड़ेंगे, सुख सुविधा में पर खर्च होगा, पारिवारिक बात बिगड़ सकती है, दायित्वों की पूर्ति होगी.

धनु- गुमी वस्तु या पुराना धन मिलने की उम्मीद है, रोजगार के नए अवसर मिलेंगे, दूसरों का सहयोग मिलेगा, आवेश में आकर कोई निर्णय न करें.

मकर- अनुभवी लोगों की मदद से कामकाज अच्छा बनेगा, भावनात्मक संबंधों में गतिरोध दूर होगा, सुख एवं संतोष मिलेगा, जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी.

कुम्भ- आय के स्त्रोतों पर विचार होगा, धार्मिक कामकाज बनेगा, कोई ऐसी बात मालुम होगी, जो आपके लिये हितकर होगी, आकस्मिक सहयोग प्राप्त होगा.

मीन- वैवाहिक कार्यो में सफलता मिलेगी, कानूनी मामलों में सफलता का योग है, व्यवसायिक स्थिति में सुधार होगा, भौतिक सुख साधन प्राप्त होंगे.

SUDOKU 7349

		8				1	5	
2					1	8		
3			4		6	7		9
5					9			
	9		2	3	4		7	
			1					8
4		7	6		5			1
		6	7					4
	5	3				2		

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू-दोकू 7348

3	9	7	5	2	1	4	8	6
5	4	2	9	6	8	7	1	3
8	6	1	3	7	4	9	5	2
2	8	9	1	5	3	6	4	7
4	7	3	2	8	6	5	9	1
6	1	5	4	9	7	2	3	8
9	3	4	7	1	2	8	6	5
7	5	6	8	3	9	1	2	4
1	2	8	6	4	5	3	7	9